प्रतिबिम्ब

A Monthly E-Newsletter of Rana Pratap PG College Sultanpur

वर्ष . 01 अंक . 07 जून 2024

RANA PRATAP POST GRADUATE COLLEGE SULTANPUR
CIVIL LINES-1, SULTANPUR-228001 (U.P.)
(Affiliated : Dr. Ram Manohar Lohiya Avadh University, Ayodhya)
www.rppgcollege.ac.in

संरक्षक

एडवोकेट संजय सिंह (अध्यक्ष)

एडवोकेट बालचंद्र सिंह (प्रबंधक)

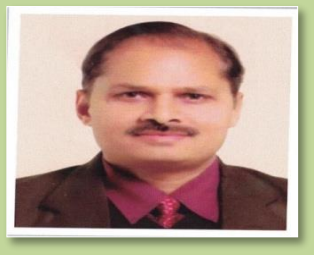

प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी (प्राचार्य)

प्रधान सम्पादक

ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह 'रवि'
असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी

सह सम्पादक

डॉ महमूद आलम
विभागाध्यक्ष उर्दू

डॉ. मंजू ठाकुर
असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति

प्रमोद श्रीवास्तव
प्रभारी कम्प्यूटर सेंटर

प्रतिनिधि

डॉ संतोष कुमार सिंह(अंश)
शिक्षा संकाय

चौरसिया गोरखनाथ
विज्ञान संकाय

डॉ. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह
कला संकाय

यशस्वी प्रताप सिंह
वाणिज्य संकाय

विद्यार्थी प्रतिनिधि

शिक्षा संकाय
सत्येन्द्र शुक्ल
(बीएड द्वितीय वर्ष)
अंशिका सिंह
(बीएड प्रथम वर्ष)

कला संकाय
रिया श्रीवास्तव
(बीए पंचम सेमेस्टर)
प्रतिमा मिश्र
(बीए प्रथम सेमेस्टर)

विज्ञान संकाय
अनुराग यादव
(बीएससी पंचम सेमेस्टर)
अनुपमा वर्मा
(बीएससी पंचम सेमेस्टर)
लक्ष्मी सिंह
(बीएससी प्रथम सेमेस्टर)

वाणिज्य संकाय
आयुष मिश्रा
(बीकाम तृतीय सेमेस्टर(

रचनायें / विचार/ समाचार / फोटो आदि भेजने का पता -
rppgcollegenewsletter@gmail.com

- लिखित सामग्री यूनीकोड या मंगल फांट में ही टाइप कर के भेजें।लिखित सामग्री फोटो, जेपीजी, पीडीएफ आदि में स्वीकार नहीं की जायेगी।
- News Letter के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी / समस्या / सुझाव आदि के लिए अपने संकाय प्रतिनिधि से सम्पर्क कर सकते हैं।

सम्पादकीय

प्रधान सम्पादक

यह समय ग्रीष्मावकाश का है। इतनी लंबी छुट्टियां सुस्ताने और आराम करने के लिए नहीं मिलती हैं। उनका उद्देश्य होता है कुछ अलग करके दिखाना।

ग्रीष्मावकाश का सकारात्मक उपयोग हमारे विकास में सहायक होता है। इन छुट्टियों में अपने परिवार व दोस्तों आदि के साथ आनंद लेते हुए हम वह सब भी कर सकते हैं जिसमें हमारी रुचि हो । अच्छे विद्यार्थी का यह विशेष कर्तव्य है कि वह फुरसत के समय अपनी कल्पना शक्ति को अनजाने क्षेत्रों में भी भ्रमण और उछल-कूद करने दें। इसके नतीजे बहुत रचनात्मक हो सकते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की जरुरतें, परिस्थितियां और मनोदशा अलग अलग होती है। इसके अनुसार ही योजना बनाकर समय से पूरा करने का संकल्प लें। ग्रीष्मावकाश में क्या क्या किया जा सकता है इसकी सूची अंतहीन है। पर कार्ययोजना बनाते समय आप इन सुझावों को ध्यान में रख सकते हैं -

दोस्तों अथवा परिवार के साथ पर्यटन पर निकला जा सकता है। स्वाध्याय की भूख को शांत कर सकते हैं।सामान्य ज्ञान में वृद्धि का यह सही समय है ।सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रियता से शामिल हो सकते हैं। नई अभिरुचियों का विकास भी इन दिनों संभव है। खेलकूद और योग में निपुणता बढ़ाई जा सकती है। गीत-संगीत और नृत्य का आनंद अलग ही है। छुट्टियों में रिश्तेदारों को बुलाएं अथवा उनके यहां जाएं। सोशल मीडिया और मोबाइल पर अत्यंत कम समय देकर लोगों से मिलजुल सकते हैं। कैरियर के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास कर सकते हैं। नई-नई जानकारी जुटा कर लेखन और भाषण का अभ्यास कर सकते हैं। इतना ध्यान रखें कि ग्रीष्मावकाश आराम के लिए नहीं, बदलाव के लिए होता है। प्रतिवर्ष मिलने वाला यह वह सुअवसर है, जब आप कुछ नया, कुछ अलग और कुछ बेहतर करके दिखा सकते हैं।

हर मौसम का अपना अलग गुण है । मौसम की मार का बहाना बनाकर अकर्मण्यता से बचें और कुछ सकारात्मक करें।

आपका अपना -

"इन्दु"

News & Events

जीवन में कभी भी हार न मानने की सीख देते हैं राणा प्रताप - एडवोकेट संजय सिंह

महाराणा प्रताप जयंती पर हुआ समारोह

राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप की जयंती पर एम जी एस परिसर स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर प्रातः माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन से समारोह की शुरुआत हुई। इस अवसर पर सासंद मेनका गांधी ,क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह, सचिव रमेश सिंह टिन्नू ,राणा प्रताप पी जी कॉलेज के प्रबंधक बालचंद सिंह, प्राचार्य प्रो डी के त्रिपाठी,एमजीएस के प्रबंधक डॉ विनोद सिंह, प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह , श्री धनंजय सिंह मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल की प्रधानाचार्य नीलम सिंह, ठाकुर प्रसाद सिंह, बजरंग बहादुर सिंह, राम बहादुर सिंह, सुरेंद्र नाथ सिंह, प्रबंध समिति के सदस्यगण, अरविंद सिंह राजा, इंजीनियर आर पी सिंह, बसन्त सिंह, डॉ एम पी सिंह, डॉ एम पी सिंह विसेन, अनिल शुक्ला, अजय कुमार सिंह, योगेश प्रताप सिंह चारों कॉलेज के शिक्षक , कर्मचारी व विद्यार्थी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया । तत्पश्चात राणा प्रताप पी जी कॉलेज के पुस्तकालय कक्ष में संगोष्ठी का आयोजन हुआ । जिसका शुभारंभ नीलमणि मिश्रा द्वारा शंखनाद के साथ हुआ। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और राणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन किया गया। सरस्वती वंदना श्वेता मिश्रा द्वारा प्रस्तुत की गयी ।अतिथियों का पुष्प देकर स्वागत किया गया। स्वागत भाषण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डी के त्रिपाठी द्वारा हुआ। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने राष्ट्र और समाज मे एकता का संदेश दिया । वे सभी को एक साथ लेकर चले। बी एड फर्स्ट ईयर के छात्र राहुल यादव ने हल्दी घाटी कविता का बेहतरीन पाठ किया । महाराणा प्रताप पर आधारित भाषण प्रतियोगिता की प्रतिभागी आस्था यादव ने अपना सारगर्भित भाषण प्रस्तुत किया। शुभम तिवारी ने महाराणा प्रताप पर आधारित वीररस से परिपूर्ण गीत गाया । बी एड फर्स्ट ईयर की आभा शर्मा ने हल्दीघाटी युद्व पर आधारित एकल नृत्य प्रस्तुतकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया । समूह नृत्य सोमल एवं कोमल द्वारा मोहक ढ़ंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पूर्व प्रबंधक ठाकुर प्रसाद सिंह, बजरंग बहादुर सिंह, राम बहादुर सिंह, सुरेन्द्र नाथ सिंह, वर्तमान प्रबंधक बाल चन्द्र सिंह, प्राचार्य प्रो डी के त्रिपाठी द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर एम पी सिंह बिसेन ने महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें राणा प्रताप से त्याग, समर्पण, संघर्ष करना सीखना चाहिए। उनसे पीढियां प्रेरणा पाती रहेंगी। वे तन से ही नहीं मन से अत्यंत मजबूत थे।

News & Events

महाविद्यालय के प्रबंधक बालचंद सिंह ने महाराणा प्रताप के कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप हमें आज भी राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा देते हैं। युवाओं को उनसे प्रेरित होकर राष्ट्र सेवा के लिए जुटना चाहिए। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए महाविद्यालय के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप हमारे प्रेरणा पुरुष हैं उनसे हमें जीवन में कभी भी हार ना मानने की सीख मिलती है। वे हमें सिखाते हैं कि निडर होकर हमेशा राष्ट्र सेवा के लिए डटे रहना चाहिए, कभी भी हौसला नहीं खोना चाहिए । एडवोकेट संजय सिंह ने एक नवीन संकल्प की घोषणा करते हुए कहा कि हम महाराणा प्रताप की संगमरमर की नई प्रतिमा की स्थापना सबके सहयोग से करेंगे इस हेतु उन्होंने सभी का आह्वान किया । महाविद्यालय की उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह ने आभार ज्ञापन किया । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ प्रीति प्रकाश ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य , पूर्व प्रबंधक ठाकुर प्रसाद सिंह ,बजरंग बहादुर सिंह, राम बहादुर सिंह, सुरेंद्र नाथ सिंह , शिक्षक, कर्मचारी, महाविद्यालय के एनसीसी के कैडेट एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। शाम को प्रताप प्रतिमा पर दीप जलाए गए। यहां संजय सिंह एडवोकेट, बालचंद्र सिंह एडवोकेट, रमेश सिंह टिन्नू , डॉ संतोष अंश, दिलीप सिंह, विनय सिंह ,परमेन्द्र, उमेश , अनीष आदि उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग के विदाई समारोह में तृप्ति तिवारी एवं ईशा पाण्डेय मिस फेयरवेल व संतोष और सत्यम चौरसिया मिस्टर फेयरवेल बने

राणा प्रताप पीजी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में विदाई समारोह का आयोजन हुआ। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी .के. त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर एम.पी. सिंह विसेन, उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह एवं प्राचीन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती एवं महाराणा प्रताप के चित्रों पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्वलन से हुआ। बी.ए. थर्ड ईयर की छात्रा सोमल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत बी.ए. तृतीय वर्ष एवं एम. ए. द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने किया। प्राचार्य प्रोफेसर डी.के. त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा सही दिशा में निवेशित करने के लिए प्रेरित किया । विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एम.पी. सिंह विसेन ने यह संदेश दिया कि पूरा विश्व आपका है यदि आप अपने ज्ञान का सही उपयोग करेंगे तो जीवन में कभी भी निराशा का सामना नहीं होगा । महाविद्यालय की उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह ने लक्ष्य को केंद्रित रखकर अध्ययन करने की प्रेरणा दी । राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अभय सिंह ने छात्र-छात्राओं को आगामी जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपना शुभ आशीष दिया । असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजू ठाकुर ने छात्र-छात्राओं से कर्मठता के साथ-साथ नैतिकता का भी दामन नहीं छोड़ने के लिए प्रेरित किया । डॉ . आलोक पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी कठिन परिश्रम के महत्व को समझें और जीवन में शॉर्टकट से बचें।

News & Events

अंग्रेजी विभाग के विदाई समारोह में मिस्टर फेयरवेल अभिनव कुमार मिश्र व मिस फेयरवेल रिया वर्मा को चुना गया

राणा प्रताप पी जी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कोमल कन्नौजिया एवं प्रतिमा मिश्रा ने सरस्वती वंदना के साथ की । विद्यार्थियों ने प्राचार्य प्रो डी के त्रिपाठी, पूर्व प्राचार्य प्रो एम पी सिंह बिसेन, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो निशा सिंह, मैडम ज्योति सक्सेना व डॉ संतोष अंश का बैज लगाकर, बुके और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। स्वागत गीत बी ए फर्स्ट ईयर की छात्रा सृष्टि सिंह ने किया ।

बी ए थर्ड ईयर के छात्र दीपांशु मौर्य ने कविता के माध्यम से अपने 3 वर्ष के अनुभव को साझा किया। बी ए थर्ड ईयर के छात्र संतोष कुमार ने विदाई गीत गया। बी ए फर्स्ट ईयर की छात्रा श्रेया मिश्रा और अदिति वर्मा ने एकल नृत्य व बी ए फर्स्ट ईयर की छात्रा कोमल कनौजिया ने एकल गीत प्रस्तुत किया। बी ए तृतीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं के बीच म्यूजिकल चेयर और कैटवॉक करवाया गया । जिसमें तीन छात्र और छात्राओं को चुना गया। तीन छात्र में से एक तथा तीन छात्राओं में से एक को माइंड बेस प्रतियोगिता के माध्यम से मिस्टर फेयरवेल और मिस फेयरवेल चुना गया। मिस्टर फेयरवेल अभिनव कुमार मिश्र बने। मिस फेयरवेल रिया वर्मा को चुना गया । प्रो एम पी सिंह बिसेन ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाकर उसे प्राप्त करें। कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थित रहें और सीखते हुए आगे बढ़ते रहें।

हिन्दी विभाग के विदाई समारोह में सात्विक सिंह मिस्टर और दीक्षा अग्रहरि मिसेज फेयरवेल चुने गए

'साहित्य लोगों को संवेदनशील बनाता है। इसके बिना समाज का परिवर्तन सम्भव नहीं है। साहित्य में सात्विक आनंद है। इसलिए हिन्दी साहित्य का अध्ययन महत्वपूर्ण है। हिंदी के विद्यार्थी जीवन के विविध क्षेत्रों में आसानी से सफल हो जाते हैं।'

यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहीं। वह महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित विदाई समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए यह समारोह आयोजित किया था। मां सरस्वती,राणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर शिक्षकों तथा सहपाठियों का स्वागत किया।

परास्नातक अंतिम वर्ष के सौरभ , निखिल शर्मा , नेहा चौरसिया आदि ने अपने अनुभव साझा किए । आशुतोष पाण्डेय ने सरस्वती वंदना साक्षी पाण्डेय आदि ने राम स्तुति व हेरा फरहत और आशुतोष राणा ने स्वरचित विदाई गीत प्रस्तुत किया। प्रीति वर्मा और पार्वती सोनी ने नृत्य और कैटवॉक प्रस्तुति का संयोजन किया। एम ए चतुर्थ सेमेस्टर के सात्विक सिंह मिस्टर और दीक्षा अग्रहरि मिसेज फेयरवेल चुने गए ।

संचालन एम ए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र इन्द्र कुमार भारती , स्वागत असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि व आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार ने किया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रंजना पटेल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विभा सिंह व डॉ. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह समेत एम ए हिन्दी के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित शिक्षको व विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

अभय मिस्टर व कहकशां अंसारी बनीं मिस फेयरवेल

- वाणिज्य संकाय ने आयोजित किया विदाई समारोह

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय ने संगोष्ठी कक्ष में स्नातक विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया। जिसमें बीकाम के अभय मिस्टर व इसी कक्षा की कहकशां अंसारी मिस फेयरवेल चुनी गईं।

मां सरस्वती,राणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर शिक्षकों तथा सहपाठियों का स्वागत किया।

बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि वाणिज्य का क्षेत्र बहुत विस्तृत है। इसमें रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं। संचालन ऐश्वर्या, वैष्णवी व शिवांशी ने किया। स्वागत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ ओम भास्कर सिंह व आभार ज्ञापन संकायाध्यक्ष डॉ विवेक सिंह ने किया। समारोह में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रमाकांत तिवारी, डॉ.बृजेश प्रताप सिंह व यशस्वी प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रूपाली सिंह व खुशबू नाज उपस्थित रहीं। समारोह में उपस्थित शिक्षको व विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

अमित भारती मिस्टर व विभा शुक्ल बनीं मिस फेयरवेल

- समाजशास्त्र विभाग ने आयोजित किया विदाई समारोह

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने पुस्तकालय सभागार में परास्नातक विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया। जिसमें एम ए चतुर्थ सेमेस्टर के अमित भारती मिस्टर व इसी कक्षा की विभा शुक्ल मिस फेयरवेल चुनी गईं। परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए यह समारोह आयोजित किया था। मां सरस्वती,राणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर शिक्षकों तथा सहपाठियों का स्वागत किया। परास्नातक अंतिम वर्ष के काजल मिश्र, शिवानी,ममता व डिम्पल आदि ने अपने अनुभव साझा किए । पुष्पा व गीता ने सरस्वती वंदना आफरीन ,पम्मी व नाजरीन आदि ने गीत प्रस्तुत किया।

अनीता, दीपशिखा ,काजल मिश्र , श्वेता सिंह व गुंजा की नृत्य प्रस्तुति सराही गई। संचालन एम ए चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र सत्यदेव मिश्र, स्वागत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अखिलेश कुमार सिंह व आभार ज्ञापन डॉ बृजेश सिंह ने किया। समारोह में प्रबंधक एडवोकेट बालचंद्र सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी, उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह,विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एम पी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर बृजेश कुमार सिंह, डॉ.शालिनी सिंह व वीरेंद्र कुमार गुप्त समेत एम ए समाजशास्त्र के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित शिक्षको व विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

संस्कृत भाषा में लिपिबद्ध है हमारी सांस्कृतिक धरोहर - प्रोफ़ेसर डी.के.त्रिपाठी

संस्कृत विभाग ने आयोजित किया परास्नातक विदाई समारोह

'हमारी सांस्कृतिक धरोहर, इतिहास व ज्ञान विज्ञान ज्यादातर संस्कृत भाषा में लिपिबद्ध हैं। संस्कृत अध्येताओं का दायित्व है कि इसे संवर्धित कर आधुनिक समाज का मार्गदर्शन करें।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहीं। वह संगोष्ठी कक्ष में संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित परास्नातक अंतिम वर्ष के सौप्रस्थानिक समारोह को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर एम पी सिंह ने कहा कि शिक्षकों द्वारा सिखाई गई बातें भावी जीवन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने में सहायक सिद्ध होंगीं। उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह ने कहा कि महाविद्यालयीय जीवन से निकल कर विद्यार्थियों को आदर्श नागरिक बनके समाज व राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ.अमित तिवारी ने कहा कि वर्तमान में संस्कृत भाषा में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। अंतिम वर्ष के विद्यार्थी विंदु ,अनुराधा,जया,शकील, उदयराज आदि ने अपने अनुभव साझा किए।वैभव,अमिता,सूरज, शिवानन्द, दीपांशी, नवनीत आदि विद्यार्थियों ने संस्कृत गीत,कविताएं और भाषण प्रस्तुत किए । प्राची,अंजलि,शिवपूजन, अवनीश, प्रभाकर ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। संचालन एम.ए. प्रथम वर्ष के छात्र नीलमणि मिश्रा और अनुराधा तिवारी ने किया।

स्वागत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ यशमंत सिंह व आभार ज्ञापन डॉ.नीतू सिंह ने किया। प्रोफेसर शैलेन्द्र प्रताप सिंह व डॉ.बीना सिंह आदि ने भी विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। समारोह में एम ए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने एम ए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को भाव पूर्ण विदाई दी। विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार ,स्वस्तिवाचन व शंखनाद के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों व विद्यार्थियों का कुमकुम तिलक और पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। परास्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने वन्दनवार,रंगोली और फूलमालाओं से कार्यक्रम स्थल को सजाया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में दिलाई गई शपथ

'यदि आप बदलाव चाहते हैं तो मतदान एक बेहतरीन तरीका है। मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है यह तंत्र में हमारी भागीदारी सुनिश्चित करता है। स्वयं मतदान करें और लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहीं। वह महाविद्यालय में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहली बार मतदाता बने छात्र छात्रा मतदान की गंभीरता को समझ कर सजगता के साथ मतदान करें और आस पास के लोगों को भी अपने साथ मतदान स्थल तक ले जायें। असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में हर मतदाता को वोट देकर अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी चाहिए। यदि कोई प्रत्याशी पसंद नहीं है तो भी अपना मत देने का विकल्प उपलब्ध है। मतदान आवश्यक है भले ही आप नोटा की बटन दबायें। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को मतदान की शपथ दिलाई।इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ.प्रभात श्रीवास्तव, डॉ.नीतू सिंह, डॉ.बीना सिंह, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ.अमित तिवारी व डॉ.यशवंत सिंह उपस्थित रहे ।

मतदाता जागरूकता हेतु बी एड विभाग ने स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का किया आयोजन

राणा प्रताप पी जी कॉलेज के बी एड विभाग ने मतदाता जागरूकता हेतु स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में बी एड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मैडम शांतिलता कुमारी एवं डॉ संतोष अंश शामिल रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में बी एड द्वितीय वर्ष की शिवानी और बी एड प्रथम वर्ष की कीर्ति गुप्ता संयुक्त रूप से प्रथम, बी एड प्रथम वर्ष से संदीप कुमार और अनुराधा यादव संयुक्त से द्वितीय और आभा शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं । स्लोगन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में बी एड विभागाध्यक्ष डॉ भारती सिंह और डॉ सीमा सिंह शामिल रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में अंकुर मिश्रा प्रथम, विवेक कुमार निषाद द्वितीय, आस्था तृतीय व रश्मि को सांत्वना पुरस्कार के लिये चयनित किया गया।

News & Events

प्राचार्य प्रो डी के त्रिपाठी ने बताया कि बी एड विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के लिए पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता कराना सराहनीय है। मतदाता जागरूकता हेतु प्रतियोगिता से समाज में मतदान के लिये सकारात्मक संदेश जाएगा। बी एड विभागाध्यक्ष डॉ भारती सिंह ने बताया कि लोकतंत्र की भावना तभी सफ़ल होगी जब अधिकतम मतदान होगा। मतदान को बढ़ाने में शिक्षक की भूमिका अहम है। इसी को ध्यान में रखकर भावी शिक्षको हेतु यह प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर मैडम शांतिलता कुमारी,डॉ सीमा सिंह, डॉ संतोष अंश के साथ बी एड के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाद विवाद प्रतियोगिता में सत्यदेव मिश्र प्रथम शिवानी शुक्ल द्वितीय व डिम्पल तिवारी को मिला तृतीय स्थान

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने 'राष्टीय शिक्षा नीति-2020' विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की । प्रतियोगिता में परास्नातक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें एम ए के छात्र सत्यदेव मिश्र को प्रथम शिवानी शुक्ल को द्वितीय व डिम्पल तिवारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में अपने विचार रखते हुए सत्यदेव मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति से विद्यार्थियों पर शुल्क और परीक्षाओं का बोझ बढ़ गया है। कालेज की नीति निर्धारण में छात्र संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। शिवानी शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शैक्षिक सामग्री का अभाव अध्ययन को प्रभावित कर रहा है। डिम्पल तिवारी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में बातें अच्छी अच्छी हैं और क्रियान्वयन शून्य। निर्णायक मंडल के संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अखिलेश सिंह ने बताया कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को सुधारने और आधुनिक बनाने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा कदम है।

अर्थशास्त्र विभाग ने संगोष्ठी कर बताया परीक्षा में सफलता के टिप्स

' पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र की समझ, समय प्रबंधन , पाठ्यक्रम के अनुसार बिन्दुवार समीक्षा और एकाग्र चित्त होकर परीक्षा की तैयारी करें तो सफलता निश्चित है। ' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र कुमार ने कहीं।

प्राप्त करें विषय पर आयोजित विद्यार्थी संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार त्रिपाठी ने कहा कि परीक्षा के पूर्व गहन लिखित अभ्यास और हर टापिक पर अपनी समझ विकसित कर परीक्षा में अच्छे अंक हासिल किए जा सकते हैं।

News & Events

केस स्ट्डी पर समूह चर्चा का आयोजन

राणा प्रताप पी जी कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा बी ए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु प्रयोगात्मक कार्य के विषय केस स्ट्डी पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। समूह चर्चा में विद्यार्थियों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया। विभागाध्यक्ष डॉ शिल्पी सिंह ने विषय रखते हुए कहा कि सामाजिक घटनाओं की प्रकृति इस प्रकार होती है कि विस्तृत अध्ययन के द्वारा उसकी वास्तविकता का पता लगाना संभव नही होता है। इसलिए उनका गहन अध्ययन करना पड़ता है। गहन अध्ययन के लिये अध्ययन की इकाइयों को सीमित संख्या मे रखना पड़ता है। इस पद्धति से छोटे क्षेत्र के माध्यम से विशाल ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। वैयक्तिक अध्ययन पद्धति एक गहरी अध्ययन पद्धति है। इसके अन्तर्गत एक इकाई के विषय में सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास होता है। केस स्टडी एक व्यक्ति, समूह या घटना का गहन अध्ययन है। एक केस स्टडी में, व्यवहार के पैटर्न और कारणों की तलाश के लिए विषय के जीवन और इतिहास के लगभग हर पहलू का विश्लेषण किया जाता है। केस स्टडीज़ का उपयोग मनोविज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, मानवविज्ञान, राजनीति विज्ञान और सामाजिक कार्य सहित कई अलग-अलग क्षेत्रों में किया जा सकता है।

केस स्टडी का उद्देश्य किसी व्यक्ति या समूह के बारे में जितना संभव हो उतना सीखना है ताकि जानकारी को कई अन्य लोगों तक सामान्यीकृत किया जा सके। दुर्भाग्य से, केस अध्ययन अत्यधिक व्यक्तिपरक होते हैं, और कभी-कभी बड़ी आबादी के लिए परिणामों को सामान्य बनाना मुश्किल होता है। जबकि केस अध्ययन किसी एक व्यक्ति या समूह पर केंद्रित होते हैं, वे अन्य प्रकार के मनोविज्ञान लेखन के समान प्रारूप का पालन करते हैं।एक केस स्टडी की अपनी ताकत और कमजोरियां हो सकती हैं। केस स्टडी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शोधकर्ताओं को उन चीजों की जांच करने की अनुमति देता है जिन्हें प्रयोगशाला में दोहराना अक्सर मुश्किल या असंभव होता है। शोधकर्ताओं को लागू की गई किसी चीज़ के 'कैसे,' 'क्या,' और 'क्यों' पर जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देता है। दूसरी ओर, किसी केस स्टडी में कुछ कमियां हो सकती हैं, इसे आवश्यक रूप से बड़ी आबादी के लिए सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक रूप से कठोर नहीं हो सकता। यदि शोधकर्ता किसी अनोखी या हाल ही में खोजी गई घटना का पता लगाना चाहते हैं तो वे केस स्टडी करना चुन सकते हैं। अपनी अंतर्दृष्टि के माध्यम से शोधकर्ता अतिरिक्त विचार विकसित करते हैं और प्रश्नों का अध्ययन करते हैं जिनका भविष्य के अध्ययनों में पता लगाया जा सकता है। विद्यार्थियों ने समूह चर्चा में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

GLIMPSE OF COLLEGE